# निबंध ( ESSAY )

| | |
|---|---|
| निर्धारित समय: 3 घंटे<br>Time allowed: 3 Hours | अधिकतम अंक: 250<br>Maximum Marks: 250 |

**Name:** हेमेन्द्र सिंह **Mobile Number:** _____

**Medium (English/Hindi):** _____ **Email:** _____

**Center & Date:** _____ **UPSC Roll No.:** _____

**प्रश्नपत्र संबंधी विशेष अनुदेश**

**(प्रश्नों के उत्तर देने से पहले निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को कृपया ध्यानपूर्वक पढ़ें)**

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख उत्तर पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों को अंक नहीं दिये जाएंगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिये।

उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णत: काट दीजिये।

**QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS**

**(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)**

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Answer Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Answer Booklet must be clearly struck off.

| | निबंध विषय संख्या (Essay Topic No.) | अंक (Marks) |
|---|---|---|
| खंड-A Section-A | | |
| खंड-B Section-B | | |
| सकल योग (Grand Total) | | |

मूल्यांकनकर्त्ता ( हस्ताक्षर )

*Evaluator (Signature)*

पुनरीक्षणकर्त्ता ( हस्ताक्षर )

*Reviewer (Signature)*

drishti | दृष्टि The Vision

## Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision



उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

२. हमारा विश्व बहुपक्षीय चुनौतियों की अधिकता और समाधान के अभाव में है।

यद्यपि 'वसुधैव कुटुम्बकम' जैसी अवधारणा सम्पूर्ण विश्व को एक कुटुम्ब के रूप में देखते हुए चुनौतियों के साझा समाधान पर बल देती है। परंतु वर्तमान विश्व में प्रत्येक देश द्वारा अपने राष्ट्रीय हितों पर ही बल दिए जाने के कारण एक तरफ बहुपक्षीय चुनौतियों में वृद्धि हो रही है, वहीं दूसरी तरफ साझा समाधान हेतु आवश्यक प्रयासों में एकजुटता का अभाव प्रदर्शित हो रहा है जिससे समाधान की प्राप्ति भी कठिनतर हो गई है।

वर्तमान वैश्विक व्यवस्था समानता, स्वतंत्रता, बंधुत्व के आदर्शों पर संचालित न होकर स्वयं के राष्ट्रीय हित, शक्ति संतुलन के स्तर अनुसार संचालित है।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इस कारण देशों के मध्य 'सहयोग' के स्थान पर आपसी 'प्रतिद्वंद्वता' का वातावरण व्याप्त है। इस वातावरण के कारण कई बहुपक्षीय वैश्विक चुनौतियाँ बढ़ती जा रही हैं जिनका समाधान प्राप्त करना कठिनतर होता जा रहा है।

यदि इन समस्याओं पर विचार करें तो इनमें 'आतंकवाद' एक प्रमुख चुनौती के रूप में उभर रहा है। यह वर्तमान में भारत, यूरोप, अमेरिका, पश्चिम एशिया आदि सभी क्षेत्रों को किसी-न-किसी रूप में अपने चपेट में लिए हुए है। जिससे व्यापक स्तर पर जनहानि के साथ-2 जनता के मध्य भय का संचार रहता है और प्रभावित क्षेत्र में सामान्य जनजीवन का संचालन भी कष्टकर होता है। सूचना प्रौद्योगिकी के विकास ने इसके वैश्वीकरण को सुगम बनाने में योगदान दिया है। जिससे यह एक वैश्विक चुनौती का रूप धारण किए हुए



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

है। इस हेतु सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है परंतु कुछ देशों द्वारा स्वयं 'राज्य प्रायोजित आतंकवाद' का समर्थन किए जाने, कुछ देशों द्वारा 'अच्छे आतंकवाद, बुरे आतंकवाद' की संकल्पना को अपनाया जाना तथा कुछ देशों द्वारा अन्य देशों के प्रयासों को बाधित कर सामूहिक प्रयासों में बाधा उत्पन्न की जाती है। जैसे- भारत के मसूद अज़हर के विरुद्ध प्रतिबंध के प्रयासों को चीन द्वारा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में वीटो कर बाधित कर दिया जाता है। जिससे एक बहुपक्षीय चुनौती के लिए आवश्यक साझा समाधान प्राप्त नहीं हो पा रहा है और चुनौती की निरंतरता बनी हुई है।

इसी प्रकार एक अन्य प्रमुख चुनौती मानवाधिकारों के संरक्षण की है। वर्तमान में म्यांमार से विस्थापित रोहिंग्या शरणार्थी, सीरिया से विस्थापित शरणार्थी, कुर्द समूह, पर्यावरण/जलवायु शरणार्थी आदि के समक्ष मानवाधिकारों



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

का संकट विद्यमान है। इनके गृह देश में व्याप्त शोषण, गृहयुद्ध, वैश्विक हस्तक्षेप आदि के कारण इनको पलायन हेतु मजबूर होना पड़ा। वहीं इनको मेजबान देशों में भी मानवोचित व्यवहार का अभाव देखने को मिलता है यद्यपि शरणार्थी आयोग, UN मानवाधिकार परिषद जैसी संस्थाएँ कार्यरत हैं परंतु देशों के संकीर्ण आर्थिक, राजनीतिक हितों के समक्ष इनके प्रयास काफी अल्प है। जिससे बहुपक्षीय चुनौती के रूप में मानवाधिकारों का संरक्षण निरंतर बना हुआ है।

इसी प्रकार एक अन्य प्रमुख बहुपक्षीय चुनौती पर्यावरण संरक्षण या जलवायु परिवर्तन की है जो न केवल कुछ देशों को प्रभावित कर रही है, परंतु यह मानव, पशु-पक्षी, पेड़-पौधों के साथ-2 ग्रह के अस्तित्व के समक्ष भी चुनौती प्रकट कर रही है। इस हेतु सभी देशों को समन्वित


Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्रयास करने की आवश्यकता है परंतु देशों के मध्य 'योगदान-समाधान' को लेकर बहस जारी है। जिसमें विकासशील व विकसित देश एक-दूसरे पर दोषारोपण कर रहे हैं। विकासशील देश विकसित देशों को उनके औद्योगिकीकरण के जरिए इस समस्या हेतु उत्तरदायी ठहराते हुए उनसे अधिक वित्तीय भागीदारी, तकनीक साझा करने की माँग कर रहे हैं। वहीं विकसित देश विकासशील देशों से भी समान प्रयासों की अपेक्षा पर बल दे रहे हैं। जिससे 'समाधान का अभाव' प्रदर्शित हो रहा है। परंतु इसके कारण कुछ द्वीपीय राष्ट्रों का जीवन अस्तित्व संकट में है क्योंकि समुद्र जल स्तर वैश्विक तापन के कारण बढ़ रहा है। इससे किरीबाती, मालदीव, जापान, नौरू आदि जैसे द्वीपीय देश भविष्य में प्रभावित होने वाले हैं।

इसके साथ-2 एक अन्य प्रमुख बहुपक्षीय चुनौती 'भुखमरी एवं कुपोषण' की




Copyright – Drishti The Vision Foundation

है। 'FAO' के अनुसार वैश्विक स्तर पर 270 मिलियन से अधिक लोग गंभीर भूख व कुपोषण से प्रभावित हैं। ये लोग (एशिया - दक्षिण एशिया, अफ्रीका आदि में अवस्थित हैं जहाँ सामाजिक-आर्थिक असमानता, विकास का निम्न स्तर, बेरोजगारी आदि की स्थिति विद्यमान है जिसके कारण लोग व परिवार भोजन या खाद्यान्न तक पहुँच प्राप्त करने में भी असक्षम हैं। यद्यपि विभिन्न देश जैसे - भारत द्वारा खाद्यान्न वितरण व 'FAO' जैसी संस्थाओं द्वारा इस दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं परंतु ये प्रयास नाकाफी हैं। इस संदर्भ में सभी देशों के प्रयासों की आवश्यकता है परंतु अपने संकीर्ण राष्ट्रीय हितों पर बल होने से साझा समाधान का अभाव है और प्रति व्यक्ति आय एवं उपभोग में विश्व स्तर पर व्यापक असमानता व्याप्त है। इसके

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कारण अन्य समस्याएँ जैसे - चोरी, तस्करी (मानव, जंतु) आदि को भी बढ़ावा मिल रहा है जो समस्या या चुनौती को व्यापकता प्रदान कर रही है।

इसके साथ ही कई देशों की विस्तारवादी व प्रभुत्वमूलक नीतियाँ भी वैश्विक व्यवस्था के संचालन के समक्ष बाधा प्रकट कर रही हैं और कई देशों के साथ संघर्ष को बढ़ा रही हैं। उदाहरणस्वरूप - चीन की दक्षिण-चीन सागर में प्रभुत्व के कारण नियम आधारित समुद्री गतिशीलता व यातायात प्रभावित हो रहा है। जिससे उसका फिलीपींस, वियतनाम जैसे देशों के साथ टकराव भी बढ़ा है। वहीं 'सलामी स्लाईसिंग नीति' के तहत भारतीय क्षेत्र पर अतिक्रमण के प्रयास के कारण भारत के साथ वर्तमान में सैन्य गतिरोध बना हुआ है। इसी कारण वैश्विक संस्थाएँ समस्या समाधान में सफल नहीं हो पा रही हैं क्योंकि

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

चीन का राजनीतिक-आर्थिक स्तर उसे एक महाशक्ति के रूप में प्रकट कर रहा है और वह स्वयं को एक 'नियम निर्माता' बनाने का/मानने का प्रयास कर रहा है। वहीं चीन की 'ऋण जाल कूटनीति' भी श्रीलंका, पाकिस्तान जैसे देशों में आर्थिक व राजनीतिक अस्थिरता का कारण बने हुए हैं। इस प्रकार इन देशों को लेकर भी बहुपक्षीय चुनौती बढ़ रही है।

इसके साथ ही हाल ही में संपन्न रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण भी न्याय आधारित पक्ष का अभाव देखने को मिला। देशों द्वारा अपने-अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर पक्ष समर्थन किया गया जिससे समस्या के समाधान के स्थान पर समस्या को और जटिल बनाया गया। संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाएं समाधान प्रदान करने में नाकाम सिद्ध हुई। इसी के साथ युद्ध के कारण




Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

आपूर्ति श्रृंखला के समक्ष उत्पादित व्यवधान के कारण वस्तु, सेवाओं के मूल्यों में वृद्धि हुई जिसने विश्व स्तर पर मुद्रास्फीति को बढ़ाकर निम्न वर्गों के समक्ष खाद्य सुरक्षा, पोषण सुरक्षा का संकट भी उपस्थित किया।

इसी प्रकार वर्तमान में जारी 'त्रिपक्षवाद', 'क्वाड', द्विपक्षीय संबंधों पर व्यापक बल के कारण बहुपक्षीय संस्थाओं की कार्यप्रणाली व उनका महत्व अप्रासंगिक होने लगा है। उदाहरणस्वरूप – 'RCEP', 'TPP' जैसे आर्थिक ब्लॉकों के निर्माण ने 'WTO' जैसी संस्था के समक्ष चुनौती प्रकट की है। वहीं अमेरिका द्वारा 'WTO' विवाद निपटान पैनल में नियुक्ति को लेकर एकपक्षीय रवैया भी संस्थान की कार्यप्रणाली को बाधित किया है। इसी के साथ अन्य संस्थाएं जैसे- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद आदि भी आज की वास्तविक व्यवस्था का प्रतिनिधित्व नहीं



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

कर रही है जिस कारण इन संस्थान की प्रभावशीलता ~~के~~ कम प्रदर्शित हो रही है।

वहीं एक अन्य वैश्विक बहुपक्षीय चुनौती 'वैश्वीकरण' पर दृष्टिकोण को लेकर है। वर्तमान में कई विकसित देश स्वयं को संरक्षणवाद की ओर अग्रसर कर रहे हैं। इन देशों द्वारा स्वयं वैश्वीकरण से लाभ प्राप्त कर लेने के पश्चात् अब स्वयं के संरक्षणवाद पर बल दिया जा रहा है जिससे नवोदित उभरते विकासशील देशों के लिए चुनौती प्रकट हो रही है।

इसी प्रकार वैश्वीकरण के कारण रोगों का वैश्वीकरण भी हुआ है जिससे 'महामारी' का रूप प्रकट हुआ है। जैसे- 'कोविड-19' महामारी। इस महामारी के कारण उत्पन्न बहुपक्षीय चुनौती के प्रति भी सभी देशों की प्रतिक्रिया अलग-2 स्वयं के हितों पर आधारित थी। जिससे समस्या



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

के सामूहिक समाधान में विलंब हुआ। इसमें विश्व स्वास्थ्य संगठन जैसी वैश्विक संस्था भी अपनी निष्पक्ष व प्रभावी भूमिका निभाने में पूर्णतः सफल नहीं हो पाई।

यद्यपि उभरती बहुपक्षीय चुनौतियों को लेकर वैश्विक संगठनों जैसे- संयुक्त राष्ट्र, सुरक्षा परिषद, वित्तीय कार्यवाही बल (FATF), 'UNFCCC', 'UNCBD', मानवाधिकार परिषद, खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO) आदि जैसे वैश्विक संगठनों द्वारा प्रयास किए गए हैं। जो कि पेरिस डील, आतंकवाद समर्थक देशों को 'ग्रे लिस्ट' में डालना आदि के रूप में समाधान प्रदान कर रहे हैं।

वस्तुतः वर्तमान विश्व व्यवस्था 'यथार्थवादी राजनीति' पर आधारित है जहाँ कि स्वयं के राष्ट्रीय हितों की पूर्ति पर बल है, स्वयं की समस्याओं के समाधान पर बल है। इसमें



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

देशों की असमान सामाजिक-आर्थिक-राजनीतिक स्थिति भी एक महत्वपूर्ण कारक है जो सभी के सार्थक प्रयासों को केवल उन तक सीमित कर देता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

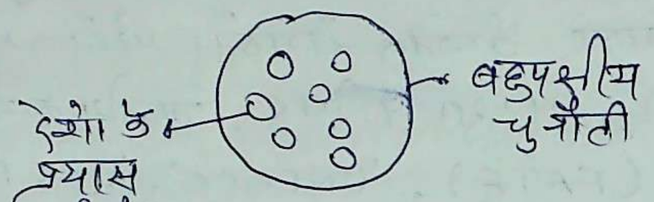




इस प्रकार अंततः कहा जा सकता है कि वैश्विक बहुपक्षीय चुनौतियों हेतु आवश्यक साझा समाधानों का अभाव प्रदर्शित हो रहा है। क्योंकि इस संदर्भ में वैश्विक संस्थाओं को सुदृढ़ कर आधुनिक स्वरूप प्रदान करने और देशों को अपने हितों को राष्ट्रीय से वैश्विक स्तर


Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

तक व्यापक करने की आवश्यकता है तभी युद्ध जटिल चुनौतियों जैसे- आतंकवाद, जलवायु परिवर्तन आदि से निपटा जा सकेगा। इस संदर्भ में महात्मा गाँधी के कथन को उद्धृत किया जा सकता है- "जिस दिन 'प्रेम की शक्ति' 'शक्ति के प्रेम' पर विजय प्राप्त कर लेगी, उस दिन विश्व में शांति स्थापित हो जाएगी।" इसके साथ ही महात्मा गाँधी का 'सर्वोदय' व 'अंत्योदय' को भी वैश्विक स्तर पर अपनाकर मानव व प्राणी जगत के मध्य शोषण व असमानता को कम करने की दिशा में बढ़ा जा सकता है।

——x——x——

(समाप्त)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)


www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

खण्ड-B

**2. मैं ऐसे खुशनसीब लोगों को जानता हूँ वह वो लोग हैं जो इसरों की सेवा में खुद को दो देते हैं।**

अब सिद्धार्थ के चचेरे भाई द्वारा उड़ते हुए पक्षी पर तीर चलाया और उस तीर के लगने से वह पक्षी घायल होकर जमीन पर आ गिरा। सिद्धार्थ द्वारा उस पक्षी का उपचार किया गया। जिससे वह स्वास्थ होकर पुनः उड़ सके। उस पक्षी को लेकर उनके चचेरे भाई द्वारा स्वामित्व का दावा किए जाने के बाद भी सिद्धार्थ द्वारा उसको नहीं दिया गया। क्योंकि सिद्धार्थ अनुसार मारने वाले या पीड़ा पहुँचाने वाले से उस पीड़ा को दूर करने वाला अधिक बड़ा होती है। आगे चलकर यही सिद्धार्थ महात्मा बुद्ध कहलाए और चार आर्य सत्य - दुख है, दुख का कारण है, दुख का निदान है, दुख निदान के मार्ग - अष्टांगिक मार्ग, का प्रतिपादन किया। इस प्रकार संसार से दुख को समाप्त करने पर बल देते हुए करुणा, परोपकार के मूल्यों को व्यापित किया जो इसरों की सेवा करने पर बल देते है।

परोपकार से तात्पर्य इसरों की सेवा



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

के प्रति स्वयं को समर्पित कर देना, उनके दुख के स्तर को महसूस करना, उनके दुख को दूर करना, आदि से है। चूँकि परोपकार मानवीय मूल्य का आधार है। इसलिए सभ्यता के प्रारंभ से ही हमें इसके उदाहरण देखने को मिलते हैं। उदाहरणस्वरूप - बुद्ध, महावीर जैसे धर्मप्रणेताओं ने अपने राज्यकाज, उत्तम भौतिक जीवनशैली को त्याग कर मानव मात्र, जीव मात्र के प्रति सेवा को ही चुना और जीवनपर्यंत उस पर चलते रहे।

इसी प्रकार मदर टेरेसा मिशनरीज ने एक नर्स के रूप में अपने रोगियों के पीड़ा को दूर करने हेतु कार्य किया। उन्होंने सेवी के कष्ट को अनुभूत कर उसको कष्टमुक्त करने को अपना ध्येय बनाया और जीवनपर्यंत रोगियों की सेवा करने में स्वयं को समर्पित किया। इसी कारण उनको वह सम्मान, खुशनसीबी प्राप्त हुई। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण उन्हें रोगियों की 'कृतज्ञता' प्राप्त हुई जो उनकी उनके प्रति की गई सेवा हेतु थी।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

इसी प्रकार स्वामी विवेकानंद ने दीन दुखियों की सेवा करने, अन्याय, शोषण को समाप्त करने पर बल दिया। उनके अनुसार परोपकार अर्थात् दूसरों की सेवा करना ही सच्चा धर्म है। मानव का स्वभाव ही दूसरों को कष्ट से मुक्ति दिलाना है। इसी संदर्भ में उनके द्वारा 'रामकृष्ण मिशन' की स्थापना की गई जो कि दीन-दुखियों, जरूरतमंदों की सेवा करने पर बल देता था।

इसी प्रकार पूर्व राष्ट्रपति डॉ० ए०पी० जे० अब्दुल कलाम पूर्ण जीवनकाल सादा जीवन उच्च विचार पर बल दिये। देश को मिसाइल प्रौद्योगिकी, परमाणु क्षमता में आत्मनिर्भर बनाने के साथ-२ इनके द्वारा पूर्ण जीवनकाल में एक 'मिशन' की भूमिका को निभाते हुए अन्य को प्रेरित करने पर बल दिया गया। इसी कारण वह सेवा भाव को अपनाते हुए अपने इस कार्य को उत्कृष्टता के साथ संपन्न करते रहे। उनके देहांत के कुछ समय पूर्व भी वह एक व्याख्यान में संलग्न थे।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

जो उनके दूसरों के कल्याण के प्रति समर्पण को दर्शाता है।

इसी प्रकार 'धर्म' के स्तर पर देखे तो प्रत्येक धर्म का मूल - मानव मात्र की सेवा और जीवन स्तर या कल्याण को बढ़ावा देना है इसी कारण प्रत्येक धर्म मे किसी न किसी रूप मे दीन-दुखियों, आश्रितों की सेवा पर बल दिया गया है। इस प्रकार दूसरों की सेवा मे स्वयं को खोकर व्यक्ति के धार्मिक उद्देश्य भी पूर्ण होते है जो उसके कार्यों को मान्यता प्रदान कर उसके स्तर को बढ़ावा, खुशहाली को बढ़ावा प्रदान करते है। इसी कारण "इस्लाम" मे 'सूफीवाद' पंथ मे दीन-दुखियों की सेवा को खुदा की सेवा माना गया था। सूफी संत सारा जीवन व्यतीत करते हुए मानव मात्र के कल्याण के प्रति स्वयं को समर्पित कर दिए। उनके 'खानकाह' सेवा करने के केंद्र के रूप मे उभरकर हुए। इसी संदर्भ मे देखे तो "सिख धर्म" मे लंगर व्यवस्था का प्रचलन है। जो सभी बेसहारा, भूखे

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

लोगों को भोजन वितरण पर बल देती है। 'कोविड-19' लॉकडाउन के समय भी सिख संस्थाओं, अन्य संस्थाओं द्वारा भूखे, बेसहारा भटकते हुए प्रवासी व अन्य लोगों को भोजन एवं अन्य आवश्यक सुविधाएँ प्रदान कर की गई सेवा निस्संदेह किसी भी अन्य प्रकार की भौतिक सुख/खुशी से श्रेष्ठतर है। ऐसे सेवा से उत्पन्न आंतरिक खुशी या संतुष्टि व्यक्ति को और सेवा हेतु प्रेरित करती है। जिससे एक 'सकारात्मक चक्र (positive cycle)' का निर्माण होता है जो सेवा भावना और सेवा स्तर दोनो को विस्तृतता प्रदान करता है।

चूंकि मानव समाज एक विषमतामूलक समाज है। जिसका विभाजन विभिन्न वर्गों मे है इन्ही वर्गों मे से कुछ वर्ग की स्थिति अत्यंत कम/निम्न स्तर की होती है। इसमें अनाथ बच्चे, परित्यक्त वृद्ध, आपदा पीड़ित, मानसिक रोगी, विकलांग/दिव्यांग आदि सम्मिलित है। यदि सभी अपने-२ कार्य करके ही खुशी प्राप्त कर लेंगे तो समाज के इन वर्गों का कल्याण प्राप्त

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

करना संभव नहीं होगा। इसीलिए दूसरों की सेवा कर सुख प्रदान करने व उन पीड़ितों को सुखी बनाने हेतु कई संस्थाएँ कार्यरत हैं। इन संस्थाओं में 'अपना घर' संस्था, अक्षय पात्र फाउंडेशन, आदि जैसे संस्थान हैं जो निरंतर पीड़ित, शोषित वर्गों की सेवा में लगे हैं, ऐसे संस्थानों को व्यक्ति/संस्थाओं द्वारा अनेक कार्यों में सहयोग हेतु धन उपलब्ध कराया जाता है, मानव श्रम भी उपलब्ध कराया जाता है और दूसरों की सेवा के अनेक कार्यों में स्वयं को भी समर्पित करने का या शरीरदार बनने का अवसर उपलब्ध कराया जाता है।

इसी के साथ यह भी विचारणीय है कि दूसरों की सेवा में स्वयं को खो देना। ऐसा व्यक्ति स्तर पर ही नहीं होता है, बल्कि राष्ट्र स्तर पर भी यह दिखाई पड़ता है। आधुनिक राज्य की संकल्पना 'लोक कल्याणकारी राज्य' की अवधारणा पर आधारित है। जिसका



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उद्देश्य ही सभी के कल्याण का बढ़ावा देना है। सामाजिक विषमता को समाप्त कर समानता की स्थापना करने हेतु राज्य द्वारा 'सकारात्मक कार्यवाही' की नीति को अपनाया जाता है और वंचित-शोषित तबकों के स्तर को ऊपर उठाने का प्रयास किया जाता है। इस संदर्भ में राज्य द्वारा आरक्षण नीति, वंचित-शोषित वर्ग हेतु कल्याणकारी कार्यक्रम जैसे- सार्वजनिक वितरण, मनरेगा, आवास योजना, कौशल योजना, दाल-रोटी, स्वास्थ्य बीमा - आयुष्मान भारत आदि को चलाया जाता है और इसके माध्यम से लोकतंत्र के आदर्श 'नागरिकों की सेवा एवं कल्याण' को सुनिश्चित करने पर बल दिया जाता है और किसी भी राज्य की खुशहाली का स्तर उसके नागरिकों की खुशहाली के स्तर का प्रतिबिंब ही होता है। इसीलिए राज्य की खुशहाली भी उसके नागरिकों की सेवा में स्वयं को समर्पित कर देने में है।

इसके साथ ही देशों द्वारा प्राकृतिक आपदा, अन्य संकट उपस्थित होने पर अन्य देशों को भी मानवीय सहायता



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उपलब्ध करायी जाती है। जैसे- कोविड 19 में भारत द्वारा वैक्सीन, खाद्यान्न आदि विभिन्न देशों को उपलब्ध कराया गया। श्रीलंका और अफगानिस्तान के हालिया संकटों के समय भी भारत द्वारा उनको खाद्यान्न व अन्य सहायता उपलब्ध कराई गई। यह 'वसुधैव कुटुम्बकम' के आदर्श के अनुरूप था तथा संपूर्ण विश्व की सेवा करने पर बल देते हुए समस्याओं को दूर करने पर बल देने के अनुरूप है।

इसके साथ ही 'दूसरों की सेवा' का तात्पर्य पर्यावरण संरक्षण, जीव जंतु के संरक्षण से भी लिया जा सकता है। राजस्थान का बिश्नोई समाज जो प्रकृति के संरक्षण हेतु प्रसिद्ध है। बिश्नोई समाज द्वारा अमृता देवी बिश्नोई के नेतृत्व में लकड़ी ठेकेदारों द्वारा वृक्ष कटाई के विरुद्ध पेड़ों को बचाने हेतु स्वयं उनसे लिपटकर अपने प्राणों की आहुति दी थी।




Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

इस प्रकार के उदाहरण अन्य भी हैं जो 'चिपको आंदोलन' के रूप में भी उत्तराखंड में प्रदर्शित हुआ। इसके साथ ही घरों में कुत्ता, गाय आदि हेतु रोटी व अन्य भोजन रखने की व्यवस्था प्राणी मात्र के प्रति सेवा करने को ही प्रदर्शित करती है। इसी प्रकार राजस्थान में 'पिपलांत्री गाँव' में कन्या के जन्म के समय वृक्ष लगाने की प्रथा भी वृक्ष संरक्षण को प्रदर्शित करती है।

इसी संदर्भ में राजनीतिक स्वतंत्रता हेतु किए गए प्रयासों को भी दूसरों की सेवा का ही रूप माना जा सकता है। इस संदर्भ में भारत में महात्मा गाँधी, सुभाष चंद्र बोस, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद आदि का नाम लिया जा सकता है। जिन्होंने अपने देश को गुलामी से मुक्त कराने के उद्देश्य को लेकर अपने-2 पृथक विचारधाराओं के आधार पर प्रयास किए और इन सबके सम्मिलित प्रयासों के परिणामस्वरूप 'भारत' एक



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

देश के रूप में स्वतंत्र हुआ और यहाँ के नागरिकों को 'स्वराज्य' प्राप्त हुआ। यह सब इन स्वतंत्रता सेनानियों, महापुरुषों के देश की जनता की सेवा के प्रति स्वयं को समर्पित करने का ही परिणाम था।

इसी प्रकार यदि सामाजिक स्तर पर देखें तो शताब्दियों से समाज के कुछ वर्ग शोषण, अन्याय, असमानता से पीड़ित थे जिनमें स्त्री, दलित वर्ग आदि प्रमुख थे। दलित वर्ग के उत्थान हेतु जहाँ ज्योतिबा फुले, डॉ. अंबेडकर द्वारा स्वयं को समर्पित कर उनके अधिकारों को प्राप्त करने और समाज में यथोचित स्थिति का प्रयास करने पर बल दिया गया। तथा वहीं स्त्री स्तर पर राजा राम-मोहन राय, ईश्वर-चंद्र विद्यासागर, पंडिता रमाबाई, सावित्रीबाई फुले आदि द्वारा स्त्री शिक्षा, सती प्रथा उन्मूलन, विधवा पुनर्विवाह आदि के संबंध में प्रयास

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)


Copyright – Drishti The Vision Foundation

किए गए। इन्हीं के प्रयासों के कारण स्त्री और दलितों का स्तर पूर्व की तुलना में उन्नत हुआ जिससे एक समावेशी समाज निर्माण की दिशा में आगे बढ़ा जा सका।

वहीं वैश्विक स्तर पर 'रंगभेद' जैसी शोषणकारी नीति के प्रचलन के विरुद्ध अमेरिका में रोजा पार्क्स नामक महिला और मार्टिन लूथर किंग जूनियर द्वारा 'ब्लैक अधिकारों' के लिए अपनी लड़ाई लड़ी गई। जिससे अंततः ब्लैक लोगों को 'व्हाइट' के समान अधिकारों की दिशा में आगे बढ़ाया। इसी प्रकार दक्षिण अफ्रीका में नेल्सन मंडेला द्वारा रंगभेद व स्वतंत्रता के आदर्श की प्राप्ति हेतु संघर्ष किया गया और अंततः उसमें सफलता प्राप्त की गई। इस प्रकार इन लोगों के प्रयासों ने ब्लैक लोगों की सेवा करने के साथ-2 समावेशी समाज व मानवीय समानता के आदर्श की प्राप्ति पर बल दिया

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)


Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

गया।

इसी प्रकार प्रशासन के स्तर पर भी कुछ उदाहरण मिलते हैं जिन्होंने जनता के दुख को देखकर उनकी सेवा करने हेतु सकारात्मक प्रयास अपनाए। इनमें मणिपुर कैडर के आईएएस अधिकारी आर्मस्ट्रांग पामे को लिया जा सकता है जिन्होंने राज्य सरकार द्वारा सड़क निर्माण हेतु धन से इंकार करने पर सोशल मीडिया जैसे मंचों का प्रयोग कर विभिन्न लोगों व संस्थाओं से दान एकत्र कर मणिपुर में 'पीपुल्स रोड' का निर्माण करवाया। ताकि उस क्षेत्र के लोगों की सेवा की जा सके। ध्यातव्य है कि यह सड़क 'राष्ट्रीय राजमार्ग' का भी हिस्सा है जो कि उनके सेवा समर्पण के स्तर व गुणवत्ता का परिचायक है।

इस प्रकार अंततः यह कहा जा सकता है कि मानव मात्र,


Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्राणी, पर्यावरण की सेवा करने में स्वयं को समर्पित करने पर जो अनुभूति या खुशी प्राप्त होती है, वह विशिष्ट होती है। इसी संदर्भ में एक पुरातन कहावत भी है कि 'नेकी कर और दरिया में डाल'। इसी के साथ-साथ अशोक द्वारा भी अपनी 'धम्म की नीति' में सांस्कृतिक विलय, मानव सेवा, प्राणीजगत के प्रति संवेदनशीलता आदि पर बल दिया गया जो लोगों के आध्यात्मिक जीवन स्तर को प्राप्त करने व सेवा समर्पण पर बल देने के अनुरूप है।

—— x —— x ——

(समाप्त)


Copyright – Drishti The Vision Foundation